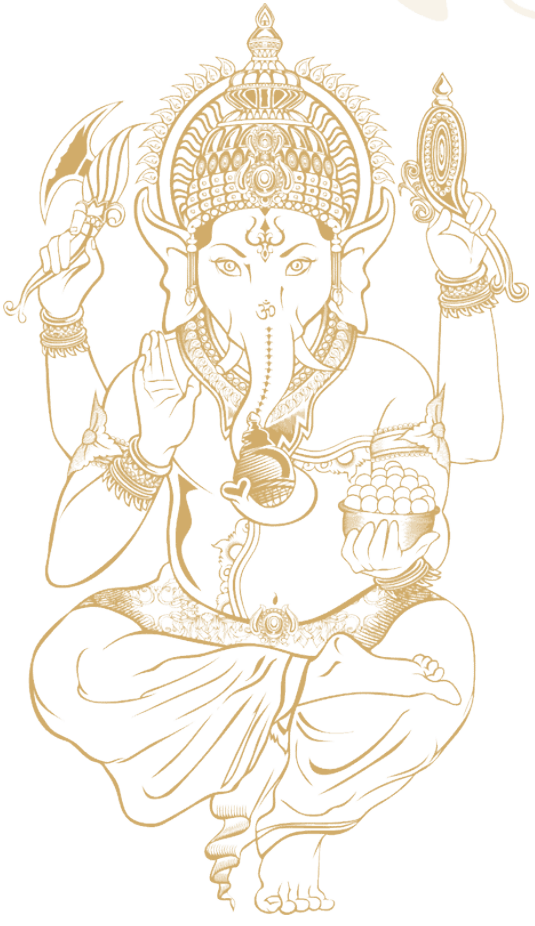

Ismita jha

15 Mar 2013

08:03 AM

Darbhanga

Model: web-freekundliweb

Order No: 120954805

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/03/2013**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:03:00 घंटे**
इष्ट	05:17:15 घटी
स्थान	**Darbhanga**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	85:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:13:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:16:36 घंटे
वेलान्तर	-00:08:55 घंटे
साम्पातिक काल	19:48:03 घंटे
सूर्योदय	05:56:05 घंटे
सूर्यास्त	17:54:58 घंटे
दिनमान	11:58:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:37:39 मीन
लग्न के अंश	12:05:54 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	12:05:54	451:52:39	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
सूर्य			मीन	00:37:39	00:59:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			मेष	09:48:28	12:25:41	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मीन	08:09:37	00:46:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	11:58:20	00:17:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	15:17:50	00:07:48	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	27:12:01	01:14:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		तुला	16:58:46	00:02:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	23:58:39	00:02:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:58:39	00:02:14	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	13:39:08	00:03:22	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	09:35:39	00:02:10	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:19:42	00:00:53	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मक	01:01:28	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:43

लग्न-चलित

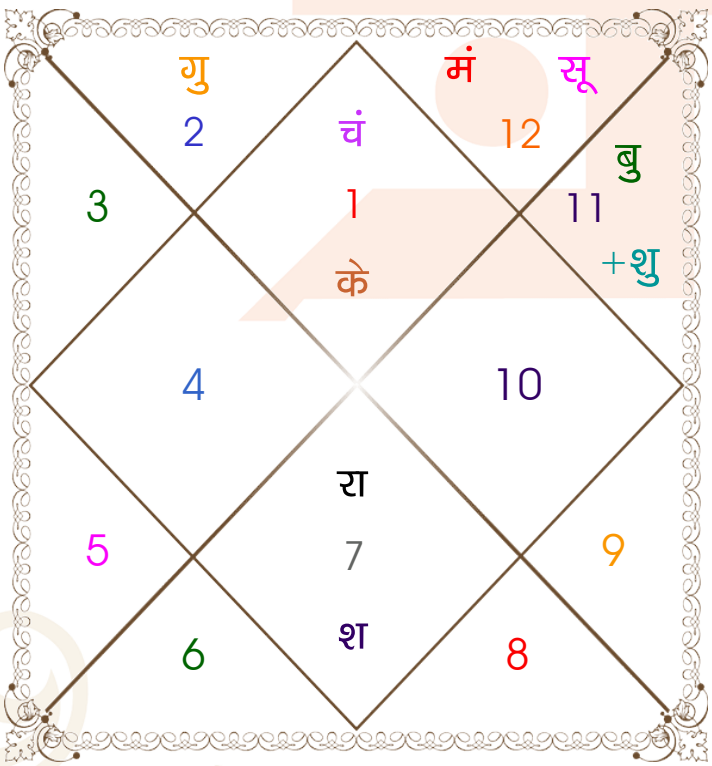

चन्द्र कुंडली

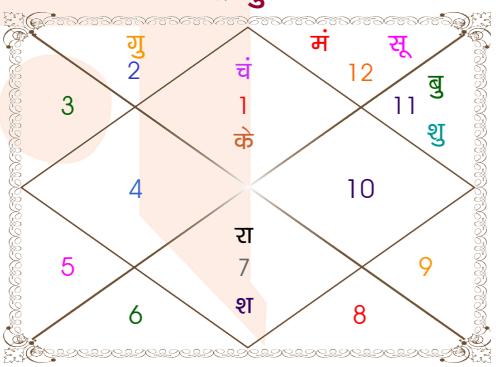

नवमांश कुंडली

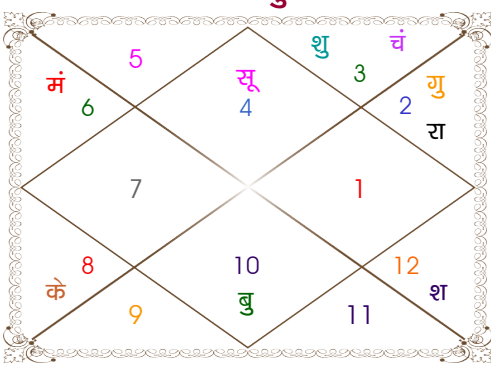

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 10 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/03/2013		20/01/2015		20/01/2035		19/01/2041		20/01/2051	
20/01/2015		20/01/2035		19/01/2041		20/01/2051		20/01/2058	
	00/00/0000	शुक्र	21/05/2018	सूर्य	09/05/2035	चंद्र	20/11/2041	मंगल	18/06/2051
	00/00/0000	सूर्य	22/05/2019	चंद्र	08/11/2035	मंगल	21/06/2042	राहु	06/07/2052
	00/00/0000	चंद्र	19/01/2021	मंगल	15/03/2036	राहु	21/12/2043	गुरु	11/06/2053
	00/00/0000	मंगल	21/03/2022	राहु	07/02/2037	गुरु	21/04/2045	शनि	21/07/2054
	00/00/0000	राहु	21/03/2025	गुरु	26/11/2037	शनि	20/11/2046	बुध	18/07/2055
	00/00/0000	गुरु	20/11/2027	शनि	08/11/2038	बुध	20/04/2048	केतु	15/12/2055
	15/03/2013	शनि	20/01/2031	बुध	14/09/2039	केतु	19/11/2048	शुक्र	13/02/2057
शनि	23/01/2014	बुध	20/11/2033	केतु	20/01/2040	शुक्र	21/07/2050	सूर्य	21/06/2057
बुध	20/01/2015	केतु	20/01/2035	शुक्र	19/01/2041	सूर्य	20/01/2051	चंद्र	20/01/2058

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/01/2058		20/01/2076		20/01/2092		21/01/2111		21/01/2128	
20/01/2076		20/01/2092		21/01/2111		21/01/2128		00/00/0000	
राहु	02/10/2060	गुरु	09/03/2078	शनि	23/01/2095	बुध	19/06/2113	केतु	18/06/2128
गुरु	25/02/2063	शनि	20/09/2080	बुध	02/10/2097	केतु	16/06/2114	शुक्र	18/08/2129
शनि	01/01/2066	बुध	27/12/2082	केतु	11/11/2098	शुक्र	16/04/2117	सूर्य	24/12/2129
बुध	21/07/2068	केतु	02/12/2083	शुक्र	11/01/2102	सूर्य	20/02/2118	चंद्र	25/07/2130
केतु	08/08/2069	शुक्र	02/08/2086	सूर्य	24/12/2102	चंद्र	22/07/2119	मंगल	21/12/2130
शुक्र	08/08/2072	सूर्य	22/05/2087	चंद्र	25/07/2104	मंगल	19/07/2120	राहु	09/01/2132
सूर्य	03/07/2073	चंद्र	20/09/2088	मंगल	03/09/2105	राहु	05/02/2123	गुरु	15/12/2132
चंद्र	02/01/2075	मंगल	27/08/2089	राहु	10/07/2108	गुरु	13/05/2125	शनि	16/03/2133
मंगल	20/01/2076	राहु	20/01/2092	गुरु	21/01/2111	शनि	21/01/2128		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगी। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाली, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाली एक अच्छी भाग्यशाली महिला हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति की स्त्री हैं। आप अकेली अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करती हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेती हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकती हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेती है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देती हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान हैं। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेती हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेती हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहती हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकती हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगी क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव की सौम्य महिला हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहती हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगी। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगी। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगी। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकती हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्घटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती हैं। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का प्रयोग महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।